PPMN

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

हिन्दी राष्ट्रीय - राज्य सरकार से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

जरूरी सूचना

यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।

सम्पर्क करें 9314407796

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2024-26 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 23 » अंक 16 » जयपुर : 23 मार्च 2025 से 7 अप्रेल 2025 » RNI No : RAJHIN/2002/9810 »

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

परिष्कार पत्रिका ने किया रानी लक्ष्मी बाई साहस पुरस्कार-2025 का आयोजन

ब्यूरो चीफ / परिष्कार पत्रिका जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर परिष्कार पत्रिका के तत्वावधान में रानी लक्ष्मी बाई साहस पुरस्कार-2025 समारोह 15 मार्च को साईंस पार्क ऑडिटोरियों में आयाजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रफीक खान माइनोरिटी कमिशन के अध्यक्ष थे। विशिष्ट अतिथि मंजूशर्मा पूर्व पार्षद, यशवर्धनी चौहान फाउंडर कलर्स ऑफ होप, साबिता नायर प्रिंसिपल रॉय इंटरनेशन, निर्मला जैन चीफ कॉर्डिनेटर सरस्वती प्रिंटर्स, शालिनी गलुडिंया, डायना कौशिक अध्यक्ष जयपुर गोआन एसोसिएशन, दिशा पुरोहित, शीला देवी मुख्य संरक्षक थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमलता किरार प्रधान संपादक और श्रवण सिंह किरार निदेशक ने की। इस अवसर पर महिलाओं ने परिष्कार महिला विशेषांक और एक पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। जिसमें सभी अतिथियों ने सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। जयपुर गोआन एसोसिएशन की अध्यक्षा डायना कौशिक और परिष्कार पत्रिका की प्रधान संपादक हेमलता किरार ने मुख्य अतिथि रफिक खान का बुग्गा देकर रविसिंह किरार और डेंजिल नाजरथ ने शॉल और परिष्कार का उपर्णा ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रफीक खान ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी और परिष्कार के इस प्रयास की सरहाना की। विशिष्ट अतिथि मंजू शर्मा ने महिलाओं के सम्मान की उत्कृष्ट पहल के लिए परिष्कार पत्रिका का आभार जताया।

मुख्य वक्ता ओपी पुरोहित पूर्व निदेशक दूरदर्शन ने सभी महिलाओं को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए रानी लक्ष्मीबाई साहस अवार्ड 2025 के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। इसके बाद सभी ने विभिन्न संस्थाओं के बच्चों द्वारा प्रस्तुत शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया।

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय का 35वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया

विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के लिए प्रेरित किया जाए : राज्यपाल

मानवीय मूल्यों व नैतिक विकास व बौद्धिक क्षमता के लिए समर्पित जैविभा विश्वविद्यालय है आधुनिक गुरूकुल : राज्यपाल बागड़े

उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

लाडनूं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के 35 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में इस विश्वविद्यालय को आधुनिक गुरुकुल की संज्ञा देते हुए कहा कि यह सुखद है कि यह विश्वविद्यालय नैतिक व चारित्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित है। यहां मानवीय मूल्यों के साथ बौद्धिक क्षमता के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और प्राचीन भारतीय शिक्षा के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन विद्वानों चरक, सुश्रुत, गार्गी, मैत्रेयी आदि ऋषियों व विदुषियों ने बहुत अच्छा लिखा भी था। उनके ग्रंथ आज भी सबका मार्गदर्शन करते हैं। राजस्थान ने महर्षि भारद्वाज के विमान निर्माण विधि के ग्रंथ की चर्चा करते हुए बताया कि इस ग्रंथ का शोधन कर 1895 में यहां विमान बना कर उड़ाया गया था और वह 1500 फीट की ऊंचाई तक उड़ा और सफलता पूर्वक वापस लौटा भी। इस आविष्कार को यहां दबा कर रखा गया और इसके 8 साल बाद राईट बंधुओं ने वायुयान बनाया। हमारे देश में हजारों सालों से समस्त ज्ञान-विज्ञान लिखा हुआ है।

आचार्य तुलसी ने चरित्र निर्माण के लिए चलाया अणुव्रत आंदोलन : यहां सम्पोषणम् भवन में आयोजित समारोह में बोलते हुए राज्यपाल बागड़े ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि लाडनूं आचार्य तुलसी की जन्मभूमि है। यहां उनके आदर्शों और ज्ञान को आत्मसात् करने की भावना को बल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आचार्य तुलसी ने राष्ट्र में चरित्र निर्माण के लिए अणुव्रत आंदोलन शुरू किया और लाखों किमी की पदयात्राएं की। उन्होंने हमेशा नशामुक्ति को महत्व दिया था। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ज्ञान समुद्र की तरह अथाह होता है, इसमें से जितना भी ज्ञान ग्रहण कर सको, अवश्य करो। अपनी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाओ। केवल सर्टिफिकेट प्राप्त करना ही शिक्षा नहीं होती, इसमें अपनी दिमागी क्षमता बढ़ाने और नैतिकता सीखना जरूरी है। उन्होंने सोहनलाल द्विवेदी की कविता कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती प्रस्तुत करके सबको प्रेरित किया और कहा कि कर्म का कोई बंधन नहीं होता। सोचना, चिंतन, मनन इनको रोको मत। विद्या को निरन्तर बांटो, यह आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों, प्राध्यापकों, प्राचार्यों को नई-नई जानकारियां प्राप्त करने और विद्यार्थियों को देने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि अच्छी जानकारी उन तक पहुंचाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ती है।

नैतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी :- स्थापना समारोह मुनिश्री जयकुमार व **शेष पृष्ठ 2 कॉलम 1 पर**

महिला सम्मान समारोह साहस 2025 कार्यक्रम की झलकियां

स्पेशियल कैटेगरी में मुक बधिर बालिका **मोनिका किरार** ने राजस्थानी गीत पर शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सम्मान समारोह में 51 मदर्स और 51 विभिन्न प्रतिभाओं का शॉल और परिष्कार का उर्पणा ओढ़कर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक डेंजिल नाजरथ ने बताया कि कार्यक्रम में उन 51 मदर्स और 51 प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने समर्पण से बच्चों को उप्लब्धियां प्राप्त करने में मदद की और उन्हें एक मुकाम पर पहुंचाया या अपने लिए नया मुकाम हासिल किया। डेंजिल नाजरथ ने बताया कि रानी लक्ष्मी बाई साहस पुरस्कार से विभिन्न प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की अध्यापिकाएं, डॉक्टर्स, स्पोर्टस प्लेयर सहित कुछ एनजीओ के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही हेमलता किरार ने सभी अतिथियों को परिष्कार पत्रिका के विभिन्न अनछुए पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने परिष्कार पत्रिका के इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और सहयोगी रहे सभी गणमान्य लोगों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मंजू शर्मा, निर्मला जैन, सबिता नायर, प्रिया, यशवर्धनी चौहान, एडवोकेट दिव्या किरार, निर्मला किरार, नोरमन पालु, निशा पुरोहित, सिम्मी तारा, अनामिका मित्तर, विनिता जोसफ, मधु शर्मा निदेशक सेंट जेवियर्स कॉलेज जयपुर, सलोनी गलुडिंया, अञ्ज वागी, मीना राजपूत, डॉ जोसफ, सत्या जोसफ, सुनिता डेनवाल, सरोज चौधरी, सीमा चौधरी, डॉ सुमन अग्रवाल, श्रवानी वर्मा, डॉ मार्क, ड्[नीरज भटनागर, एडवोकेट उमा शर्मा, प्रतिभा सोनी, कनक गुप्ता, रितु रानीशर्मा, निशा सिंह, प्रितम कुमार खत्री राजस्थान आवासन मंडल, अभीजीत चौहान, विलियम मसीह भारतीय मसीह समाज, खुशवंत हरसोलिया, गौरव गुप्ता, ओपी राजपुरोहित, जॉन राबिनसन, घनश्याम जिंदल, आशा चौधरी, कमल कुमार, साईमन कैनथ, पवन डेनियल, बसंत जैन सरस्वती प्रिंटिंग प्रैस, अरविंद कुमार, योगेश सोनी सहित परिष्कार के टीम मेंम्बर्स शायर सिंह किरार, अंशुल किरार, राम कुमार, परिष्कार किरार, सेजल डिडवानिया, टिया डिवानिया, तनिष्का, तनिष्क सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मंच संचालन अञ्जू लोरी डेनियल, टिया डिवानिया ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डेंजिल नाजरथ और रविसिंह किरार ने सभी का आभार प्रकट किया।

रफीक खान ने किया Alternate Current पुस्तक का विमोचन

रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका जयपुर। गौतमदित्य सिंह एक 17 वर्षीय युवा शानदार, बहुमुखी लड़का था, जिसका निधन 2023 में हुआ था। वह एक बेहद प्रतिभाशाली लेखक, कवि, गीत लेखक और फोटोग्राफर थे। उनकी मां दुनिया के साथ अपने उपहार साझा करना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने 2024 में सिकरा प्रोडक्शन द्वारा सह निर्मित स्टेपिंग इन द लाइट में अपना पहला एकल गीत शुरू करके अपने कार्यों को प्रकाशित करना शुरू कर दिया। उनकी पुस्तक **Alternate Current (A collection of poems)** को सार्वजनिक रूप से 15 मार्च को परिष्कार पत्रिका के समारोह में लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रफीक खान माइनोरिटी कमिशन के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि मंजू शर्मा पूर्व पार्षद, **शेष पृष्ठ 4 कॉलम 3 पर**

COLOURS OF HOPE SPECIAL EDUCATION NEEDS CENTRE

COLOURS OF HOPE

(SPECIAL EDUCATION NEEDS CENTRE)

Our facilities

- 1:1 personalized Special Needs Classes.
- Experienced Educators
- Holistic Development
- Social Skills Training (1st in Rajasthan and one of the few in India to conduct this program)
- Twice a month Parent Support Program.(Free)
- 3 & 1/2 Months, Hands on Learning Program for Special Educators.(Paid)
- Workshops & Summit for schools.

A true inspiration and continues to inspire generations with her ability to transcend limits and lead with purpose.
- "Education View, Magazine"

FOR MORE INFORMATION

+91-7850881344

D-68(b), Jawahar Lal Nehru Marg, Near Teen Murti Circle, Jaipur

colourofhope2019@gmail.com

सम्पादकीय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। परिस्थिति और जीवन। परमात्मा प्राप्ति अत्यंत सरल है, किंतु गलत अभ्यास के कारण कठिन लग रही है। जब तक हमें यह बात समझ में नहीं आती कि परिस्थिति जीवन नहीं है और जीवन परिस्थिति नहीं है तब तक परमपद की कुंजी नहीं मिलती। जीवन उसे कहा जाता है जिसे मौत छू तक न सके, जहा कोई भी दुख, कलेश और मुसीबत फटक तक न सके। परिस्थिति को मौत छू सकती है, जीवन को नहीं, किंतु हम परिस्थिति को ही जीवन मानने की गलती कर बैठतें हैं, इसीलिए परिस्थिति से बंध जाते है। परिस्थितियों का बंधन ही हमें भयभीत कर देता है, आसक्त कर देता है और परेशान कर देता है। यदि इन दोनों का भेद समझ में आ जाए तो सब दुखों की निवृत्ति हो जाए। अगर आप प्रत्यक्ष रूप से यह जान लो कि परिस्थिति जीवन नहीं हैं तो कोई भी परिस्थिति आपको प्रभावित नहीं कर सकती। साथ में यह लाभ भी होगा कि आपका दुख का भय चला जाएगा। चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, किंतु यदि हमार यह समझ बनी रहे कि जो अवस्था आयी है वह एक दिन जाएगी अवश्य। न सुखद परिस्थिति सदा टिकती है न दुखद परिस्थिति सदा टिकती है। इस ज्ञान से सुखद परिस्थिति में आसक्ति नहीं होगी और दुखद परिस्थिति से भय नहीं होगा। भय और आसक्ति का अभाव आपके चित्त को निर्दोष, निर्द्वन्द और निरहंकारी बना देगा जिससे चित्त को चैतन्यस्वरूप में प्रतिष्ठित होने का अवसर मिलेगा और चैतन्यस्वरूप में स्थिति होने से सब दुख सदा के लिए दूर हो जाएगा। किसी की सुखद परिस्थिति देखकर आप यह इच्छा न करने लगना कि अमुक व्यक्ति के पास बढिया गाडी बंगला है, मेरे पास भी हो जाए। नहीं.. नही.. वरन आप यह देखना कि जिसके पास यह सब है, क्या वह पूर्ण सुखी है? ऐसी सुख-सुविधा होने से ही कोई मनुष्य पूर्ण सुखी नहीं हो जाता। किंतु इसका मतलब यह भी नहीं कि आप आलसी हो जाओ, निराशवादी हो जाओ या पलायनवादी हो जाओ, वरन आप भी परिस्थितियों को अनुकूल बनाने की कोशिश करो। लेकिन भीतर से समझना चाहिए कि य्ह परिस्थिति है आने-जाने बाली है। बाल्यकाल की परिस्थिति आयी और गयी। बाल्यकाल के खिलौने मित्र आदि बदल गए किंतु उनको देखने वाला साझी आत्मा नहीं बदली, वही जीवन है। परिस्थिति और शरीर जीवन नहीं है। जीवन तो वह है जिस पर मृत्यु की परछाई तक नहीं पड़ सकती। ऐसे ही बाल्यकाल से बाहर निकले तो यौवन आया। यौवन बदला तो बुढापा आता हैं। बुढापे से बाहर निकले तो मृत्यु आती है और मृत्यु से भी बाहर निकले तो दूसरा नया जन्म आता है। इस प्रकार इस शरीर की अवस्थयाएं तो कई बदलती रहती है किंतु उनको देखने वाला दृष्टा एक का एक है और वही तुम हो। जब तक इस बात का ज्ञान नहीं होगा, तब तक बदलती परस्थितियों के साथ आप अपने को भी बदलता हुआ मानते रहोगे। जब तक परिस्थितियों और जीवन में अंतर नहीं कर पाओगे, तब तक किसी न किसी परिस्थिति की आकांक्षा करते रहोगे। किसी भी परिस्थिति में सच्चा सुख, स्थिरता या पूर्ण जीवन दृष्टिगोचर नहीं हो सकता। पूर्ण सुख तो परमात्मा प्राप्ति में ही है।

जय हिन्द जय भारत।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर का अष्टम दीक्षान्त समारोह

आयुर्वेद की महान विरासत से समाज को बनाएं आरोग्यवान : राज्यपाल

कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधियाँ

कासं./ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से कहा है कि प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करते हुए भारत की इस महान विरासत के जरिए राष्ट्र को नई दिशा दें और विकसित भारत की संकल्पना में समाहित नीरोगी समाज के लक्ष्य पाने में हरसंभव सहभागिता निभाएं। राज्यपाल बागडे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अष्टम दीक्षान्त समारोह में संबोधित कर रहे थे।

कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से 1426 उपाधियां प्रदान कीं। इस अवसर पर बीएएमएस, बीयूएमएस, बीएचएमएस एवं बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 4 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए।

समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी आयुर्वेद के 16, एमडी/एमएस आयुर्वेद के 119, एमडी होम्योपैथी के 19, बीएएमएस के 717, बीएचएमएस के 227, बीयूएमएस के 157, बीएनवाईएस के 97 एवं बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के 74 विद्यार्थियों सहित कुल 1426 को उपाधि प्रदान की गई।

सेवाओं का आदर्श दर्शाएं : कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से कहा कि वे व्यायाम, योग और ध्यान-ज्ञान की भारतीय स्वस्थ जीवन की परम्परा को अपनाएं और सामूहिक हितों की कल्याणकारी भावनाओं को सर्वोपरि रखकर जनसेवा का आदर्श प्रस्तुत करें।

बेहतर जीवनशैली में मददगार बनें : उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति, स्वास्थ्य से जुड़ा भारतीय ज्ञान है। इसका उपयोग गरीब, जरूरतमंदों की निःस्वार्थ भाव से सेवा में करें। यह करुणामयी स्वास्थ्य सेवा ही गरीब रोगियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ बेहतर जीवनशैली का हौसला प्रदान करने में मददगार सिद्ध होगी।

आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा : उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग के अंतर्गत अन्तर्राष्ट्रीय सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्सश् के निर्माण और निकट भविष्य में इसके प्रारंभ होने से आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार की आयुष वीजा नीति की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति से इस दिशा में और अधिक सुखद परिणाम आएंगे।

विश्वविद्यालय की सराहना : राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद और इससे संबंधित क्षेत्रों के विकासए नवाचारों और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित दायित्वों की सराहना भी की और ख़ासकर विश्वविद्यालय द्वारा भगवान धन्वन्तरि के नाम पर 1200 औषधीय पादपों का एक विशाल वनौषधि उद्यान विकसित करने को स्तुत्य प्रयास बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में श्रेष्ठ आयुष शिक्षण और अनुसन्धान केन्द्र के रूप में प्रतिस्थापित होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए 46 एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे भविष्य में आयुर्वेद के हमारे ज्ञान का तेजी से वैश्विक प्रसार हो सकेगा।

सत्संगी उमंग नारी शक्ति के संग एवं फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान का सतरंगी उमंग नारी शक्ति के संग व फाग उत्सव कालवाड़ रोड स्थित गोकुल रिसॉर्ट में शानदार ढंग से संपन्न हुआ। अंचल अध्यक्षा शकुंतला बिंदायका ने बताया कि इस कार्यकम का सिरसी रोड स्थित विश्व प्रसिद्ध डायमंड गोल्ड ज्वैलरी निर्माता जैश्री ज्वैलरी के डायरेक्टर प्रसिद्ध समाज सेवी अवंत, यस जैन ने भगवान महावीर के चित्र के आगे दीप प्रज्वलन कर कार्यकम का शुभारंभ किया। कार्यकम के अतिथि सरस्वती प्रिंटिंग ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की चेयरमैन नारी गौरव निर्मला जैन बैराठी, विशिष्ट अतिथि शशिसोगानी, राष्ट्रीय महामंत्री मृदुला पांड्या, राष्ट्रीयमहामंत्री सुरेंद्रपांड्या, अंचल अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, पद्म बिलाला आदि ने कार्यकम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर पूरे राजस्थान के कोने-कोने से 700 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। बसंत जैन ने कहा कि इस अवसर पर महिलाओं के द्वारा इतने बड़े स्तर पर कार्यकम आयोजित करना बहुत ही सराहनीय है। महिलाओं के कार्यकम नियमित रूप से होते रहने चाहिए, जिससे सामाजिक समरसता, परस्पर समभाव तथा जीवन के कई क्षेत्रों में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यकम की मंत्री सुनीता गंगवाल ने कहा कि समिति समय-समय पर सामाजिक धार्मिक, शिक्षा, चिकित्सा सेवा आदि के अनेकों अनेकों कार्यक्रम बिना जाती, धर्म के भेद भाव के आरंभ से ही करतीं आई है। महिला अंचल की विभिन्न इकाइयों ने सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किए एवं फ्लैग प्रेजेंटेशन भी किया। इस अवसर पर अच्छे कार्यकम करने वाली इकाइयों को पारितोषिक भी दिया गया। मंच संचालन सुनीता गंगवाल ने किया। फ्लैग प्रेजेंटेशन का अवॉर्ड अजमेर इकाई ने जीता।

विभिन्न देशों के डाक विभाग के उच्च अधिकारियों ने किया ढण्ड शाखा का दौरा

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। प्रथम एशियन पोस्टल लीडर्स फोरम के यूपीपू के सदस्य 56 विभिन्न देशों के डाक विभाग के उच्च पदाधिकारियों ने ढण्ड शाखा डाकघर ग्राम पंचायत ढण्ड कूकस का दौरा किया गया जिसमें डाक महानिदेशालय एवं यूपीयू/एपीपीयू से मुख्यतः वी पी सिंह, प्रणॉय शर्मा, ठाकुर सुभाष सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

जयपुर नगर मंडल के प्रवर अधीक्षक मोहन सिंह मीणा, उप अधीक्षक आनंद सिंह एवं सहायक अधीक्षक के के मीना तथा ग्राम प्रतिनिधि पूर्व पार्षद भगवान सहाय दरबान, सरपंच मूली देवी भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत शंकर लाल मीना व ग्राम के अन्य गणमान्य ग्राम वासियों ने सभी विदेशी आगंतुकों का गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया। उक्त कार्यक्रम के दौरान डाकघर की विभिन्न योजनाओं जैसे आधार कार्ड अपडेशन, आई पी पी खाते, प्रधानमंत्री किसान डीबीटी खाते, पंजीकृत डाक बुकिंग, डाकघर बीमा सेवाओं इत्यादि के बारे में सभी आगंतुकों को बताया गया एवं ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रचार प्रसार किया गया है। भगवान सहाय दरबान ने मेला समाप्ति पर सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

Colours of Hope
(Special Education Needs Centre)
We are Hiring Special Educators.
Interested Candidates may apply
Salary will be given best in the industry to deserving candidates.
Submit your resume :-
colourofhope2019@gmail.com,
+91-7850981344

एक दिवसीय कार्यशाला बुनियादी परामर्श कौशल में प्रशिक्षण

ब्यूरो चीफ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमा मित्तल के मार्गदर्शन में 22 मार्च, 2025 को मूल काउंसलिंग कौशल में प्रशिक्षण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। यह कार्यशाला डॉ शिखा कसलीवाल द्वारा संचालित की गई थी, जो एक सलाहकार काउन्सलिंग मनोवैज्ञानिक हैं और परामर्श और प्रशिक्षण में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव रखती हैं। इस कार्यशाला की समन्वयक डॉ प्रेरणा पुरी ने कहा कि विभाग के एमए और पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग कर रहे छात्रों-छात्राओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया। उन्होंने कहा कि डॉ कसलीवाल ने आज के तेजी से बदलते दुनिया में प्रोफेशनल साइकोलॉजिकल काउंसलिंग की आवश्यकता पर प्रकाश डालाए जहां जीवन की चुनौतियों से उबरने के लिए सामना करने और लचीलेपन की आवश्यकता है। डेमन्स्ट्रेशन, रोल-प्ले, इंटरएक्शन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से कौशल में प्रशिक्षण दिया गया, ताकि परामर्शदाता काउंसलर्स आत्मविश्वास से पेशेवर परामर्श कर दूसरों की मदद कर सके। मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओम प्रकाश शर्मा ने भी आज के युग में परामर्श की आवश्यकता पर बल दिया।

ध्यान का अर्थ

परिष्कार पत्रिका जयपुर। कम से कम सुने, कम से कम मन में संकल्प-विकल्प उपन्न हो, कम से कम इंद्रियों को भोजन दे। जैसे, केवल पानी में इतनी शक्ति नहीं होती लेकिन पानी को जब गर्म किया जाता है तो उसी पानी से बनी वाष्प में भारी शक्ति आ जाती है और वह टनों वजन वाली ट्रेनों तक को ले भागती है। इसी प्रकार बुद्धि सुक्ष्म होती है तो उसमें अनुपम योग्यता आ जाती है। बुद्धि अगर स्थूल होगी, मोटी होगी तो परमात्मा में नहीं लग पाएगी। अतः सूक्षमता चाहिए, गहराई चाहिए।

चुप रहना, मौन रहना भी कोई मजाक की बात नहीं है। बहुत कठिन है। चुप वे ही रह पाते हैं जिनका लक्ष्य परमात्मा होता है। मौन वे ही रह पाते हैं, गहरे भी वे ही उतर पाते हैं जिनका लक्ष्य परमात्मा होता है। अन्यथा, मनोरंजन और मनपसंद कार्यों में ही मनुष्य की समय शक्ति खर्च हो जाती है। मौन रहकर, उसी में डूब जाना-यह भी एक बहुत बड़ी साधना है, बहुत बड़ी कमाई है। सब काम करने से नहीं होते हैं। कुछ काम ऐसे भी हैं जो न करने से होते हैं। ध्यान ऐसा ही एक कार्य है। आप दुनिया का कोई भी काम करो लेकिन जाने-अनजाने आप ध्यान के जितने करीन होंगे उतने ही आप उस काम में सफल होंगे। नींद में आप परमात्मा के थोडे करीब होते हो, ध्यान के निकट होते हो, तभी शक्ति आ जाती है विश्रांति मिल पाती है और उसी विश्रान्ति से, उसी नई शक्ति से, नई स्फुरति से, नए दिन की नई सुबह से पूनः कार्य का आरंभ होता है। मन में संकल्प भी आते हैं, विकल्प भी आते हैं। इच्छाओं की, वासनाओं की धारा अविरत बहती रहती है। आखिर ध्यान का मतलब क्या है? ध्यान है डूबना। ध्यान है आत्म निरीक्षण करना, हम कैसे हैं यह देखना, कहां तक पहुंचे हैं यह देखना, कितना अपने आपको भूल पाए हैं यह देखना, कितना विस्मृतियोग में डूब पाए हैं, यह देखना। सत्संग भी उसी को फलता है जो ध्यान करता है। ध्यान में विवेक जागृत रहता है। ध्यान में बडी सजगता, सावधानी रहती है। करने से प्रेम कम करें, न करने की और प्रीति बढ़ाएं। करने के अंत में न करना ही शेष रहता है। जितना भी आप करोगे उसके अंत में न करना ही शेष रहेगा। ध्यान अर्थात न करना... कुछ भी न करना। जहां कोशिश होती है, जहां करना होता, वहा थकावट भी होती है। जहां कोशिश होती है, थकावट होती है, वहा आनंद नहीं होता। जहां कोशिश भी नहीं होती, आलस्य-प्रमाद नहीं होता, अपितु निःसंकल्पता होती है जो स्वयमेव होता है, वहां सिवाय आनंद के कुछ नहीं होता और वह आनंद निर्विषय होता हैं, निर्विकारी होता है। वह आनंद संयोगजन्य नहीं होता, परतंत्र और पराधीन नहीं होता वरन स्वतंत्र और स्वाधीन होता है। मिटने वाला और अस्थायी नहीं होता, अमिट और स्थायी होता है। सब उसमें नहीं डूब पाते। कोई-कोई बड्भागी ही डूब पाते है और जो डूब पाते है वे खोज भी लेते है। समुद्र के भीतर रत्न खो जाते हैं लेकिन जो रत्न खोजते हैं उनको कई बार असफल भी होना पड़ता है।

तुम्हें लगता कि तुम्हारी योजनाएं सफल नहीं हुई तो जरा सोचो, नज़रिया बदलो

डेंजिल नाजरथ / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। सुनीता विलियम्स और बैरी विलमोर को सिर्फ़ 8 दिनों के लिए अंतरिक्ष में जाना था। लेकिन वे वहाँ 286 दिनों तक फंसे रहे। वे सचमुच अंतरिक्ष में फंस गए थे।

ज़रा सोचो : आपने छोटी यात्रा के लिए पैकिंग की, लेकिन आप लगभग एक साल तक घर नहीं लौट पाए। न ताज़ी हवा, न असली खाना, न कोई रास्ता। बस अनिश्चितता में इंतज़ार। न यह पता कि कब, या फिर क्या सच में वापसी होगी और इधर हम ज़रा-सी बात पर धैर्य खो देते हैं। 10 मिनट का ट्रैफिक जाम हमारा दिन ख़राब कर देता है। कोई काम कुछ महीनों के लिए टल जाए तो हम बेचैन हो जाते हैं। एक रिजेक्शन मेल से हमें सब छोड़ देने का मन करने लगता है।

नज़रिया बदलो : इन अंतरिक्ष यात्रियों के पास कोई विकल्प नहीं था। वे कोई टिकट बुक करके लौट नहीं सकते थे। उन्हें बस शांत रहकर, स्थिति को समझकर और पूरे 286 दिनों तक धैर्य रखकर समाधान निकालना था और वे सफल हुए। अगर यह संयम, धैर्य और समस्या को हल करने की सबसे बड़ी सीख नहीं है, तो फिर क्या है। इन महान अंतरिक्ष यात्रियों को सलाम, जिन्होंने सिर्फ़ बचने की नहीं, बल्कि इतिहास रचने की मिसाल पेश की।

शिक्षा : तो अगली बार जब जीवन में कोई रुकावट आए, तो याद रखना कम से कम हम अंतरिक्ष में फंसे नहीं हैं। जीवन में चुनौतियाँ आएँगी। योजनाएँ असफल होंगी। काम उम्मीद से ज़्यादा समय लेगा। लेकिन जब ये अंतरिक्ष यात्री 8 दिनों की जगह 9 महीने तक वहाँ जीवित रह सकते हैं, तो हम भी जीवन की सभी मुश्किलों का सामना कर सकते हैं।

जैन विश्वभारती विवि का 35वां स्थापना दिवस समारोह...

पृष्ठ 1 कॉलम 8 का शेष

नैतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी :- स्थापना समारोह मुनिश्री जयकुमार व मुनिश्री विजय कुमार के सान्निध्य में हुआ। मुनिश्री जयकुमार ने अपने सम्बोधन में हर व्यक्ति में विकास की भावना होने और घर, विद्यालय होते हुए विश्वविद्यालय तक पहुंचने की यात्रा को विकास की चाह बताया और कहा कि जब तक नैतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता, तब तक उस शिक्षा को पूर्ण नहीं कहा जा सकता। उन्होंने बताया कि आचार्यों ने इसे ध्यान में रखते हुए नैतिक शिक्षा पर पूरा जोर दिया। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय इस दृष्टि से अपने उत्कृष्ट स्तर पर पहुंचा है। उन्होंने भावी पीढ़ी के निर्माण में डाक्टर, वकील, इंजीनियर ही नहीं, नैतिकता और आध्यात्मिकता का विकास जरूरी है, अन्यथा वह शिक्षा अधूरी होती है। मुनिश्री विजय कुमार ने संस्थान के 35वें वर्ष को युवावस्था बताई और इस अवधि में किए गए विकास को बेहतर बताया।

130 साधुओं ने की विश्वविद्यालय से पीएचडी :- प्रारंभ में कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ ने जैविभा विश्वविद्यालय के प्रारंभ से लेकर उसकी विकास यात्रा का वर्णन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और विकसित करने का कार्य कर रहा है। वास्तु, ज्योतिष, प्राकृत, संस्कृत, राजस्थानी भाषा आदि के लिए किए जा रहे कार्यों और ओनलाइन पाठ्यक्रमों, संगोष्ठियों आदि की उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के 25 करोड़ के कोर्पस फंड, योग सम्बंधी 16 विश्वरिकॉर्ड स्थापित करने, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों को 6 पुरस्कार मिलने, 106 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट सब्मिट किए जाने, 15 लाख का अनुदान प्राप्त होने, प्राचीन धरोहर पांडुलिपियों के संरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य, विश्वविद्यालय के प्राकृत भाषा का नोडल केंद्र स्थापित किए जाने आदि विशेष उपलब्धियों की जानकारी देते हुए एक विशिष्टता यह भी बताई कि यह पहला विश्वविद्यालय है, जहां साधु-साध्वियों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। यहां अब तक 130 साधु-साध्वियों को पीएचडी की उपाधि दी जा चुकी और 2500 साधु-संत अध्यनरत हैं। प्रो दूगड़ ने अपने सम्बोधन में राज्यपाल का परिचय देते हुए उनका स्वागत किया। राजस्थान बागडे का शॉल, स्मृति चिह्न, उपहार आदि से सम्मान भी किया गया। विशिष्ट अतिथि जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लूंकड़ का भी सम्मान किया गया।

श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किया राज्यपाल ने पुरस्कृत :- राज्यपाल ने समारोह में तीन विद्यार्थियों को बेस्ट स्टुडेंट अवार्ड दिया गया। डा लिपि जैन व डा प्रगति भटनागर को बेस्ट फैकल्टी अवार्ड दिया गया। प्रो दामोदर शास्त्री और प्रो रेखा तिवाड़ी को जीवन गौरव सम्मान राज्यपाल द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में श्रेष्ठ कर्मचारी सेवा अवार्ड दीपाराम खोजा व पंकज भटनागर को और श्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में विनोद कुमार व तीर्था घाले को एवं वृक्ष मित्र सम्मान आकाश धवल को दिया गया। इसके अलावा विशेष उपलब्धियों और खेलकूद आदि गतिविधियों में प्रथम रहे विद्यार्थियों को भी राज्यपाल ने पुरस्कृत किया।

शिलान्यास व उद्घाटन भी किए राज्यपाल ने :- इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जैविभा चिकित्सालय का भूमि पूजन व शिलान्यास भी किया और विश्वविद्यालय में नवीकृत कुलपति कक्ष व सभाकक्ष का उद्घाटन किया। कुलसचिव प्रो बीएल जैन ने अंत में आभार ज्ञापित किया। इन कार्यक्रमों के दौरान जिला कलक्टर पुखराज सेन, एसपी हनुमान प्रसाद मीणा, उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार, पीआरओ अभिमन्यु सिंह राठौड़ आदि मौजूद रहे तथा जिला व उपखंड स्तर के सभी विभागीय अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन व्यवस्थाओं में तैनात रहे। समारोह में जैन विश्व भारती के पूर्व अध्यक्ष धर्मचंद लूंकड़, संरक्षक भागचंद बरड़िया, हंसराज डागा, सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार चोरड़िया, संपत डागा, राजेन्द्र खटेड़, लक्ष्मीपत बैंगाणी आदि प्रमुख व्यक्ति, विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशक आनंद प्रकाश त्रिपाठी, सहायक रजिस्ट्रार दीपाराम खोजा आदि समस्त स्टाफ विश्विद्यालय के सभी विधार्थी भी उपस्थित रहे।

(कविता) जीवन ज़रा-सा है

माया पचेरवाल/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर।

कुछ खाली, कुछ भरा सा है,
जी लो जी भर कर
जीवन ज़रा सा है।
छोड़ो दो कल आज और
कल का फेर,
देखते ही देखते जीवन
हो जाएगा ढ़ेर।।
क्या रखा है धन दौलत माया में,
अंत समय
माटी मिट्टी हो जाएगी काया में।
छोड़ो इन रिश्ते नाते संबंधों को,
एक दिन तोड़ना ही पड़ेगा
इन बंधनों को।।
ज़िंदगी में अकेले ही
तय करना होता है सफर
क्योंकि थमती सांसों की
किसी को नहीं होती ख़बर।
छोड़ो लड़ाई झगड़े ईर्ष्या द्वेष,
शरीर रूपी चोला उतरते ही
बदल जाएगा वेश।।
जितना जीना है जी लो
जी भर के,
क्योंकि सब शून्य हो जाएगा
मर के।
है थोड़ी सी जिंदगी,
कर लो आनन्द,
सब का होना है, एक दिन अंत।।
जिंदगी निकल गई,
अपने कर्मो का करते हिसाब।
जहां अंत समय सब को जाना हैं,
वहां न होगी कोई किताब।
जो करना है कर लो, इसी लोक में।
कुछ करने को नहीं मिलेगा,
परलोक में।।
जी लो प्यार प्रेम खुशियों के साथ,
हमारे इन्हीं गुणों को
सब करेंगे याद।
कुछ खाली कुछ भरा सा है,
जी लो जी भर कर
जीवन ज़रा सा है।।

माया पचेरवाल व्याख्याता
जयपुर राजस्थान

ओउमाश्रय सेवा धाम में शहीदे आजम भगतसिंह राजगुरू, सुखदेव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भगतसिंह विचारक साम्राज्यवाद पूंजीवाद विरोधी मानवता वादी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : यश

कासं. निर्मला किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। शहीद-ए-आजम भगतसिंह राजगुरु सुखदेव के पिचानवें बलिदान दिवस पर ओउमाश्रय सेवा धाम में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके जीवन के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए वैदिक चिंतक ओउमाश्रय संस्थापक यशपाल यश ने कहा कि भगतसिंह विचारक अध्यवसायी साम्राज्यवाद पूंजीवाद विरोधी मानवता वादी युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। यश ने कहा कि भगतसिंह कहते हैं कि युवा तय करें कैसा भविष्य चाहते हैं, तर्क करें शासन से पूछें आंख बंद कर पीछे लगना भी एक प्कार की गुलामी है। यश ने कहा कि आर्य सामाजिक पृष्ठभूमि के यज्ञोपवीत संस्कार कराए हुए यज्ञपे्मी भगतसिंह साम्यवादी सोच के थे अंधविश्वासी परम्परा वादी नहीं। भगतसिंह अराजकता फैला हिंसा के हिमायती नहीं वरन् संसद में बम ब्लास्ट गोरी सरकार को भारत छोड़ने की चेतावनी हेतु सुविचारित कार्य के हामी रहे। इस अवसर पर यज्ञ में मधु यश दंत चिकित्सक डॉ राजीव सिंघल डॉ अनिता सिंघल डॉ प्रमोद पाल दीपांकर सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

देश के शहीदों को याद किया

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

अजमेर। 23 मार्च हिंद सेवा दल के तत्वदान में शहीद दिवस के उपलक्ष पर देश के महान सपूत शहीदों याद करते हुए श्रद्धांजलि दी।

संस्था के अध्यक्ष आरके महावर ने बताया की देश के शहीदों ने मां भारती के लिए अपने प्राणों को न्योछावर किया उनको याद ही नहीं करना बल्कि उनके बताए हुए मार्ग से हमें देशप्रेम के प्रति प्रेरणा भी लेना होगा। कार्यक्रम में अमर सिंह निर्वाण, राकेश परमार, रमेश निर्वाण, दीपक ठाकुर, पुनीत भार्गव, चंद्रशेखर चौधरी, राजवीर सिंह, सुशील शर्मा, कुलदीप खन्ना, वंदना खोरवाल, पवन कुमार, चंद्रभान सिंह, सोमरतन आर्य, गोपाल माथुर, अमित सिंह टॉक, सुनीता सांखला, डॉ हिमनंदनी, इत्यादि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

फार्म-4
(नियम 8 देखिए)
समाचार पत्र परिष्कार पत्रिका, पाक्षिक

1. प्रकाशन का स्थान	:	जयपुर
2. प्रकाशन की अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक का नाम	:	रवि सिंह किरार
(क्या भारत का नागरिक है)	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूलदेश)	:	नहीं
पता	:	89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर
4. प्रकाशक का नाम	:	रवि सिंह किरार
(क्या भारत का नागरिक है)	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूलदेश)	:	नहीं
पता	:	89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर
5. सम्पादक का नाम	:	रवि सिंह किरार
(क्या भारत का नागरिक है)	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूलदेश)	:	नहीं
पता	:	89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो	:	हेमलता किरार
पता	:	89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर

मैं रवि सिंह किरार एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

रवि सिंह किरार
दिनांक: 23 मार्च 2025 — प्रकाशक के हस्ताक्षर

राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव ऐपिस्टेमिको-2025 आयोजित

विकसित भारत का आधार है होनहार छात्राएं

विधानसभा अध्यक्ष ने किया विद्यार्थियों को प्रोत्साहित, जीवन मे संघर्ष का भी है अपना महत्व

ब्यूरोचीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर में राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव ऐपिस्टेमिको 2025 में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए जीवन में संघर्ष के स्थान के बारे में चर्चा की। होनहार छात्राओं को विकसित भारत का आधार बताया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय माकुपुरा में वार्षिक उत्सव समारोह पिस्टेमिको 2025 को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय स्थापना के समय उत्तर भारत का एकमात्र महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय था। इस महाविद्यालय के माध्यम से देश को कई होनहार प्रतिभाएं मिल रही है। ये होनहार छात्राएं ही विकसित भारत का आधार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रयास कर रहे है। यह युवाओं के सहयोग से ही सम्भव होगा। राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ देश को स्वावलम्बी बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को तनाव रहित जीवन का स्वभाव बनाना चाहिए। तनाव से व्यक्ति की क्षमताओं में कमी होती है। युवाओं को रामए कृष्ण एवं विवेकानन्द जैसे आदर्श सामने रखकर अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। युवाओं को देश को युगानुकूल तथ युग को देशानुकूल बनाने के लिए पूरी शक्ति लगा देनी चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में भी सनातन संस्कृति से जुड़े रहने का प्रयास करें। सनातन परम्पराएं वैज्ञानिक आधार लिए हुए होती है। महाविद्यालय में सनातन संस्कारों के अनुरूप कार्यक्रम होना खुशी की बात है। डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के हित में करें। साथ ही डिजिटल युग की विकृतियों से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता में भावनात्मकता का अभाव रहता है। इसके विपरित भारत में सभी सम्बन्ध भावनाओं पर आधारित होते है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सदुपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह बहुत उन्नत तकनीक है। छात्राओं को नवाचार के माध्यम से नई तकनीकों का समाज के लिए सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक ने अपराध और एकाकीपन को बढ़ावा दिया है। इसके दुष्परिणाम परिवारों के बिखरने के रूप में सामने आने लगे है। इसके लिए वैश्विक युग की तकनीक को अपने लिए उपयोग करने के साथ ही एकाकी नहीं रहने का संकल्प लेना होगा। विद्यार्थी अपने मन की बातों को साथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ साझा करनी चाहिए। दबाव के कारण विद्यार्थियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति पीड़ादायक है। उन्हें दृढ़ता के साथ नवीन परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। परिस्थितियां परिवर्तनशील है। उनसे संघर्ष कर आगे बढ़ने का साहस रखें।

उन्होंने कहा कि कला से भरपूर सांस्कृतिक कार्यक्रम पढ़ाई तथा परीक्षा के तनाव को कम करते है। स्वस्थ जीवन तथा व्यक्तित्व में निखार के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक है। शिक्षकों को विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचान कर उसे निखारने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थी भी सह शैक्षिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लें। इससे विद्यार्थियों को बदली हुई परिस्थितियों के साथ आत्मसात होने में सुविधा मिलेगी। वे सामाजिक, व्यक्तिगत तथा शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने में स्वयं को सक्षम पाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नारी शक्ति में देश का भविष्य निहित है। आदिकाल से समाज का नेतृत्व नारी शक्ति ने ही किया है। वर्तमान में समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का छात्राएं मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर है। वे प्रगति, विकास, मानवता एवं सृष्टि का आधार है। नारी लक्ष्मी, दुर्गा एवं सरस्वती के रूप में शक्ति और भक्ति का प्रतीक है। नारी सनातन संस्कृति की वाहक है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रकृति त्रिवेदी ने कहा कि ऐपिस्टेमिको 2025 के माध्यम से छात्राओं को अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। महाविद्यालय की छात्राओं मेघा शर्मा प्रेसिडेंट गीतांजलि और सुनैना कल्चरल हेड, गार्गी तथा लक्ष्मी लिटरेरी हेड, आस्था तथा नंदिनी इनोवेशन हेड, तथा खुशी व गार्गी टेक्निकल हेड के साथ महाविद्यालय की समस्त छात्राओं के कार्य की सराहना की। फैशन परेड ने भी दर्शकों का खूब आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और नवीनता के साथ मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समापन समारोह में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अकादमिक, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ मिता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

25 से 31 मार्च तक होगा राजस्थान दिवस उत्सव

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा देंगे प्रदेशवासियों को सौगातें

75 साल बाद भारतीय नववर्ष पर राजस्थान दिवस मनाए जाने की शुरूआत

मरूधरा बाड़मेर में मातृवन्दन से होगा उत्सव का आगाज

का.सं. / परिष्कार पत्रिका

जयपुर(विवि)। राजस्थान दिवस चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च के उपलक्ष्य में राज्य सरकार वृहद् स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मंशानुरूप 25 से 31 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

25 से 31 मार्च तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम :- राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित महिला सम्मेलन से होगा। वहीं 26 मार्च को किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम के मुख्य समारोह का आयोजन बीकानेर में तथा 27 मार्च को गरीब एवं अन्त्योदय का मुख्य कार्यक्रम भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 28 मार्च को सुशासन समारोह का आयोजन भीलवाड़ा में एवं 29 मार्च को युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन कोटा में होगा। राज्यस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 30 मार्च चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को एवं राज्य स्तरीय निवेश उत्सव 31 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

प्रदेशवासियों को मिलेगी विशेष सौगातें :- इस अवसर पर आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के माध्यम से लाड़ो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों एवं विभिन्न महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तान्तरण किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटाप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण सहित कई सौगातें दी जाएगी। इसी तरह किसान सम्मेलन के तहत किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तान्तरण के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। गरीब और अन्त्योदय समारोह के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी, डेयरी बूथ अलॉटमेंट, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण एवं विद्युत चालित चाक का वितरण सहित विभिन्न सौगातें दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। वहीं सुशासन समारोह के तहत प्रदेश की जनता को विभिन्न कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण की भी सौगात दी जाएगी। इसी तरह युवा एवं रोजगार उत्सव के अंतर्गत विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, बजट घोषणओं की अनुपालना में राज्य सरकार कौशल नीति एवं युवा नीति भी जारी करेगी। साथ ही, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजनाए मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान भी शुरू किए जाएंगे। राजस्थान दिवस के दिन 30 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह निवेश उत्सव के तहत 31 मार्च को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हस्ताक्षरित निवेश एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग एवं निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग के लिए मोबाइल एप का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, निवेशकों को भू-आवंटन पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा इस अवसर पर लॉजिस्टिकए डेटा सेंटर व टैक्सटाईल पॉलिसी का विमोचन भी किया जाएगा।

टीबी हारेगा देश जीतेगा

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक : कन्हैयालाल चौधरी

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी टोंक जिला मुख्यालय पर चिकित्सा तथा स्वास्थ्य विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कृषि ऑडिटोरियम में विश्व क्षयरोग दिवस पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य टीबी उन्मूलन की दिशा में सामुदायिक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि टीबी रोगियों के उपचार में हर संभव मदद करें, ताकि टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी के इलाज में अतिरिक्त निदान और पोषण की सहायता प्रदान करने जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीबी हारेगा देश जीतेगा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अभियान को लेकर सरकार की मंशानुरूप चिकित्सकों व कार्मिकों को कार्य करने के निर्देश दिए।

चौधरी ने वर्ष 2023 में टीबी से मुक्त हुई जिले की 16 ग्राम पंचायतों के प्रशासकों एवं ग्राम स्तरीय कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं गांधीजी की प्रतिमा भेंट कर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ हिमांशु मित्तल ने बताया कि वर्ष 2024 के लिए भी जिले की 51 ग्राम पंचायतों के नाम जिला स्तरीय टीम द्वारा चयन कर भारत सरकार को भिजवाया गया है। भारत सरकार के स्तर पर निर्णय लिए जाने पर इन्हें टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जाएगा।

विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : कन्हैयालाल चौधरी ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक में विकसित भारत युवा संसद-2025 के तहत एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत सबसे अधिक युवा आबादी का देश है। इसलिए युवा अपनी ऊर्जा देश निर्माण में लगाएं। चौधरी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में बड़ी पहल है। युवा इस विषय पर संवाद कर अपने विचार व्यक्त करें।

(कविता) अपनों का प्यार चाहिए

माया पचेरवाल/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर।

ज्यादा चाहत नहीं मेरी,
बस बराबरी का हक चाहिए।
रिश्तों का जंजाल नहीं,
मुझे अपनों का
प्यार चाहिए।।
महंगे तोफे और दिखावा नहीं,
बस अपनों से सम्मान चाहिए।
मोटर गाड़ी ऐसो-आराम नहीं,
मुझे अपनों का साथ चाहिए।।
दुनिया दिखावा संसार नहीं,
मुझे घर-परिवार चाहिए।
चुने-मिट्टी से बना मकान नहीं,
भावनाओं से सजा जहान चाहिए।।
मुझे रिश्तों से जुड़ी मजबूरी नहीं,
रिश्तों की मिठास चाहिए।
अपने ऊपर एहसान नहीं,
कर्तव्य और अधिकार चाहिए।।
मुझे औपचारिकता का खेल नहीं,
अपनों से अपनेपन का
एहसास चाहिए।
बेमतलब की भीड़ नहीं,
सुख दुःख के संगी चाहिए।।
मुझे किसी के घंटों नहीं,
अपने हक के कुछ पल चाहिए।
रहम-दया की भीख नहीं,
सहज जुड़े एहसास चाहिए।।
मुझे अपनों से
प्यार चाहिए।
सिर्फ प्यार चाहिए।।

माया पचेरवाल
व्याख्याता
जयपुर राजस्थान

नारी : आत्म सशक्तिकरण से समाज निर्माण तक : राजयोगिनी सुषमा दीदी

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रभु निधि सभागार, वैशाली नगर जयपुर में सेल्फ एम्पावरमेंट टू वुमन एम्पावरमेंट विषय पर एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित वक्ताओं ने नारी सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं राजयोगिनी सुषमा दीदी, जयपुर सबजोन प्रभारी, ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा, नारी दुर्गा का स्वरूप है। हमें अपने सच्चे स्वरूप को इमर्ज करना होगा। हम ऊँची संस्कृति की विरासत हैं, इसलिए हमें अपनी वृत्तियों का सकारात्मक परिवर्तन करने की आवश्यकता है।

डॉ शिखा मिल विधायक, चोमू ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा नारी केवल घर की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की धुरी है। राजनीति से लेकर प्रशासन तकए महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। आज नारी अबला नहीं, सबला है। सरकार भी महिलाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन असली सशक्तिकरण तभी होगा जब महिलाएं खुद अपनी शक्ति को पहचानें और आत्मनिर्भर बनें।

भारत की पहली एमबीए सरपंच छवि राजावत ने कहा, हमें खुद पर गर्व होना चाहिए। हमें न केवल अपनी उन्नति पर ध्यान देना है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को भी साथ लेकर चलना है। गलत रास्ते पर जा रहे लोगों को सही दिशा दिखाना भी हमारी जिम्मेदारी है। यह मार्गदर्शन केवल आध्यात्मिकता से ही संभव है। उन्होंने महिलाओं से एकजुट होकर समाज, पर्यावरण और देश के लिए कार्य करने की अपील की।

शैलजा देवल निदेशक ने कहा महिला होना अपने आप में सौभाग्य की बात है। मैंने जंगली जानवरों के बीच काम किया, कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन कभी खुद को कमजोर महसूस नहीं किया। महिलाएं यदि ठान लें, तो वे हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। डॉ सुदीप्ति अरोड़ा चेयरपर्सन वूमेन विंग एसोचाम ने खुशी और सकारात्मक ऊर्जा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को अपने भीतर आनंद खोजना होगा। ताली बजाने से हमारा ब्रेन एक्टिवेट होता है, लेकिन असली खुशी भीतर से आती है। जब एक महिला खुश रहती है, तो पूरा वातावरण सकारात्मक बनता है। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका पर भी बल दिया। डॉ सोनिया टुटेजा ट्रस्टी केमिकल फ्री फाउंडेशन एवं डायरेक्टरए तत्व वेलनेस स्टूडियो ने महिलाओं को केमिकल युक्त उत्पादों से बचने और प्राकृतिक उपचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सौंदर्य बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है और महिलाओं को इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। बी एस राजबाला एग्रो एंटरप्रेन्योर ऑर्गनिक ने जैविक खेती और महिला उद्यमिता पर अपने विचार साझा किए और बताया कि किस प्रकार महिलाएं इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। शिप्रा शर्मा फाउंडर, स्टार्टअप कैपेसिटा कनेक्ट ने शिक्षा को सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि हम अबला नारी को सबला नारी बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। हम महिलाओं, विकलांगों और गरीब वर्ग को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर राजयोगिनी चंद्रकला दीदी ने कहा नारी का कोई अरी दुश्मन नहीं होता। उसे प्यार की डिमांड नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपनी कमांडिंग पर्सनैलिटी विकसित करनी चाहिए। नारी केवल शक्ति नहीं, बल्कि सृष्टि की रचयिता है। उसे अपने दिव्य स्वरूप को पहचानकर समाज को नई दिशा देनी होगी। एडवोकेट अंबिका देसाई ने महिलाओं को कानून के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े बच्चों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं कुमारी देव कृति ने जीते हैं चल गीत पर मनमोहक नृत्य किया।

स्वसशक्तिकरण से राष्ट्रीय सशक्तिकरण अभियान का आगाज

सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाना लक्ष्य

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़ की सुरक्षा और सेवा विंग के रजत जयंती कैंपेन की ग्रेंड शुरुआत। प्रदेश में 100 से अधिक स्थलों पर, सुरक्षा बलों से जुड़े 20000 से अधिक सुरक्षाकर्मी और अधिकारी, स्वसशक्तिकरण से राष्ट्रीय सशक्तिकरण कम्पैन में शामिल लेंगे।

ब्रह्माकुमारीज़ की सुरक्षा और सेवा विंग के रजत जयंती के मौके पर जयपुर के वैशाली नगर सेंटर पर द्वारा सुरक्षा बलों में आतंरिक जागृति के द्वारा आध्यात्मिक स्वसशकितीकरण विषय पर कार्यक्रम किया गया। सेल्फ एम्पावरमेंट टू नेशन एम्पावरमेंट यानि स्वसशक्तिकरण से राष्ट्रीय सशक्तिकरण कैंपेन की लॉन्चिंग की गयी जिसमें देश के विभिन्न सुरक्षा बलों में सर्विस दे रहे करीब 500 सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों जिनमें वायुसेना, नौसेना, सेना, बीएसएफ, आरपीएफ, सीएसएफ और जयपुर पुलिस के अलावा एनसीसी कैडेट्स भी शामिल थे। सेल्फ एम्पावरमेंट सेशन में इन्हे ब्रम्हाकुमारीज के राजयोग मेडिटेशन का अनुभव और अभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम का मक़सद देश की सुरक्षा एजेंसियों में सेवा दे रहे सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाना रहा। इस मौके पर कार अभियान की शुरुआत की गई, यह कार अभियान राजस्थान के विभिन्न जिलों और शहरों में सुरक्षा बलों से जुड़े कर्मी और अधिकारियों को स्वसशकितीकरण के साथ-साथ तनावमुक्त, क्रोधमुक्त जीवनशैली को अपनाकर जीवन को आनंदमय बनाने के लिए ट्राइंग दी जाएगी। प्रदेश के 100 से अधिक स्थानों पर 20000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों और अधिकारी इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे। जिनमें जयपुर, भरतपुर, अलवर, बहरोड़, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़, बीकानेर, पोखरण, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, अजमेर, नसीराबाद, कोटा, रावतभाटा और उदयपुर शामिल हैं। कम्पैन 29 मार्च को माउंट आबू में समाप्त होगी। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में न्यायमूर्ति गोविंद बर्धर-एएफटी, डॉ अजय शर्मा एडीजी फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी, ज्योति कुमार सतीजा, आईजी आरपीएफ योगेश ददीच एसीपी जयपुरए कमांडर पुरुषोत्तम वर्मा इंडियन नेवी एयर-आई एडवांस एचक्यू एएफएसडब्ल्यूसी, ब्रिगेडियर राजीव कुमार इंडियन आर्मी, दीपक भार्गव डायरेक्टर आईटीए, विजय सिंह भांभू डीआईजी होम गाड्‌र्स, ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज स्टेशन कमांडर एयर फोर्स स्टेशन, अमेर और एसएन घोरमाडे, सेवानिवृत्त वाइस एडमिरल चीफ शामिल थे। वरिष्ठ राजयोगिनी और जयपुर सबजोन इंचार्ज बीके सुषमा दीदी ने आशीर्वचन और प्रेरणा देते हुए कहा की मन को बुराइयों से सुरक्षित कर और आध्यात्मिक स्वशक्तिकरण मेडिटेशन देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करसकते है, सुरक्षाकर्मियों को आत्म जागरूक बनाकर और उनके मनोबल को बढ़ाना समय की जरुरत है। आर्म्ड फोर्स्ड ट्रिब्यूनल के विभागाध्यक्ष जस्टिस गोवर्धन बरधर ने कहा की देश का संविधान हर नागरिक को मौलिक अधिकार देता प्रदान करता है परन्तु इसके साथ नैतिक दायित्वों का उल्लेख संविधान है जिन्हे हम सभी को पूरा करना है लक्ष्य प्राप्ति के दायित्व और बेहतर तरह से निभाया जा सके इसके लिए धैर्यता एकाग्रता की आवश्यकता है जिसे मेडिटेशन से पाया जजा सकता है। ब्रम्हाकुमारिस द्वारा व्यक्ति और विश्व शांति के लिए जो प्रयास किया जा रहाहै वो सराहनीय है। ब्रम्हाकुमारिज जयपुर वैशालीनगर इंचार्ज चन्द्रकला दीदी नेकहा आध्यात्मिकता के जरिये जीवन को श्रेष्ठ सुंदर सरल बनाने की आवश्यकता है। सेवानिवृत्त कर्नल सती ने मंच संचालन किया, जबकि ब्रह्माकुमारी अस्मिता ने राजयोग भवन में ध्यान की अनुभूति कराई।

समाधि

परिष्कार पत्रिका जयपुर। अंतर्यात्रा विज्ञान के प्रयोग सूक्ष्म हैं। इनकी विधि, क्रिया एवं परिणाम योगसाधक की अंतःचेतना में घटित होते हैं। इस संपूर्ण उपक्रम में स्थूल क्रियाओं की उपयोगिता होती भी है तो केवल इसलिए, ताकि साधक की भाव चेतना इन सूक्ष्म प्रयोगों के लिए तैयार हो सके। एक विशेष तरह की आंतरिक संरचना में ही अंतर्यात्रा के प्रयोग संभव बन पड़ते है। इसके लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है चित्त की अवस्था विशेष, जो अब निरुद्ध होने के लिए उन्मुख है। चित्त में साधनों के सुसंस्कारों की संपदा से मनुष्य में न केवल मनुष्यत्व जन्म लेता है, बल्कि उसमें मुमुक्षा भी जगती है। पवित्रता के प्रति उत्कृट लगन ही व्यक्ति को अंतर्यात्रा के लिए प्रेरित करती है और इस अंतर्यात्रा के लिए गतिशील व्यक्ति धीरे-धीरे स्वयं ही पात्रता के उच्चस्तरीय सोपानों पर चढ़ता जाता है। उसे अपने प्रयोगों में सफलता मिलती है। अंतस में निर्मलता-पवित्रता भावदशा का एक विशेष स्तर हो तभी प्रत्याहार की पनपती है। इसके प्रगाढ़ होने पर ही धारणा परिपक्व होती है और तब प्रारंभ प्रयोगात्मक संस्कारों का एक के बाद प्रक्रिया पूरी सिलसिला। मानसिक एकाग्रता, चित्त के संसरों का परिष्कार, अंतस की ग्रंथियों से मुक्ति के एक के बाद स्तरों को भेदते हुए अंतिम ग्रंथि-भेदन की प्रक्रिया पूरी होती है। इसी बीच योगसाधक की अंत-चेतना में ध्यान के कई चरणों व स्तरों का विकास होता है। सबीज समाधि की कई अवस्थाएं फलित होती हैं। महर्षि पंतजलि के पिछले सूत्र में भी इसी की एक अवस्था का चिंतन किया गया था। इस सूत्र में कहा गया था कि सवितर्क और निर्वितर्क समाधि का जो स्पष्टीकरण है, उसी से समाधि की उच्चतर स्थितियां भी स्पष्ट होती है, लेकिन सविचार एवं निर्विचार समाधि की उच्चतर अवस्थाओं में ध्यान के विषय अधिक सूक्ष्म होते जाते हैं। ध्यान की इस सूक्ष्मता के अनुसार ही ध्यान की प्रभा और प्रभाव दोनों ही बढ़ते जाते हैं। इसी के अनुसार साधक की मानसिक एवं परामानसिक शक्तियों का विकास भी होता है, परंतु आध्यात्मिक प्रसाद अभी भी योगसाधक से दूर रहता है। इसके लिए अभी भी अंत-चेतना को अंतिम निर्मलता अनिवार्य बनी रहती है। महर्षि पतंजलि ने अपने इस नए सूत्र में इन्हीं पूर्ववर्ती अवस्थाओं का समावेश करते हुए कहा है - **ता एव सबीजः समाधिः** - भावार्थ : ये समाधियां जो फलित होती है, किसी विषय पर ध्यान करने से वे सबीज समाधियां होती है। इन सभी सबीज समाधियों में क्रमिक रूप से मानसिक विकास भी होता है और परिष्कार भी, परंतु मन तो रहता है। चित्त में निर्मलता आती है, परिशोधन भी होता है, परंतु चित्त का विलय बाकी बचा रहता है। जीव और शिव में भेद करने वाली अहं की अंतिम गांठ अभी भी नहीं खुल पाती। यौगिक शक्तियां एवं सिद्धियां तो इन सभी समाधियों में क्रमिक रूप से प्रस्फुटित होती हैं, परंतु इन सिद्धियों एवं शक्तियों का प्रकृतिलय अभी भी बचा रहता है। इन समाधियों में आत्मतत्व की झलकियां तो मिलती हैं, पर आध्यात्मिक साम्राज्य की प्रतिष्ठा होनी अभी भी बाकी रहती है।

शिक्षा के विकास के लिए सरकार के आंख-कान की तरह काम करें पीएमयू कंल्टेंट्स : अनुपमा जोरवाल

शिक्षा संकुल में आयोजित हुई डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंल्टेंट्स की वर्कशॉप

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर।राज्य परियोजना आयुक्त व निदेशकए समग्र शिक्षा राजस्थान श्रीमती अनुपमा जोरवाल ने कहा कि जिला स्तर पर काम कर रहे पीएमयू कंसल्टेंट्स राज्य सरकार की आंख व कान के रूप में धरातल पर काम करें। वे शिक्षा के क्षेत्र में वा?स्तविक आवश्यकताओं व कमियों को चिह्नित करने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग करें। जोरवाल स्टार व समग्र शिक्षा अभियान की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के तहत नियुक्त नानगिया एण्ड कंपनी एलएलपी के डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स के लिए शिक्षा संकुल में आयोजित वर्कशॉप के दौरान संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सभी जिला पीएमयू कंसल्टेंट्स को स्थानीय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करते हुए काम करें और धरातल पर मौजूद समस्याओं को गहराई से समझ कर इनके संबंध में विभाग को जानकारी दें। निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी ने कंसल्टेंट्स को विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली मीटिंग व वीसी में नियमित रूप से शामिल होने, शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं के बारे में जागरुक रहने और स्कूलों की नियमित विजिट के निर्देश दिए। वर्कशॉप के दौरान डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, दक्षता आधारित आंकलन, शाला संबलन, परख, शाला स्वास्थ्य परीक्षण, डिजिटल प्रवेशोत्सव व विद्या समीक्षा केंद्र आदि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन व अन्य गतिविधियों के माध्यम से विशेषज्ञों ने कंसल्टेंट्स को विभाग की योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए एक-दूसरे के साथ जानकारियों का आदान-प्रदान व शंका समाधान किया।

डिजिटल मीडिया के दौर में बढ़ी पत्रकारिता की चुनौतियां

एचजेयू की ओर से मीडिया साक्षरता पर आयोजित की गई कार्यशाला

कासं. निर्मला किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश?वविद्यालय एचजेयू की ओर से मीडिया साक्षरता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता वरिष्ठ टीवी पत्रकार प्रतीक त्रिवेदी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुधि राजीव ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रतीक त्रिवेदी ने कहा कि बाजार की बाध्यता हर तरह के मीडिया पर लागू है और टीआरपी के लिए टीवी की खबरें बाजार से प्रभावित होती हैं। टीवी पिछले 25-30 साल से बदल रहा है और अब बदलाव के दौर में टीवी मोबाइल पर देखा जा रहा है। डिजिटल मीडिया के दौर में हर व?यक्ति पत्रकार हैए लेकिन यह संभव नहीं है कि हर व्यक्ति पत्रकार के रूप में अपनी भूमिका निभा सके। बिना जांच-पड़ताल के खबरों को लोगों तक लेकर जाना खतरनाक है। त्रिवेदी ने कहा कि डिजिटल मीडिया के दौर में कोई भी खबर वायरल हो सकती है। ऐसे में तथ्यों की जांच किए बिना उनको लोगों तक जाने से रोकना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने डिजिटल मीडिया के प्रभाव की चर्चा करते हुए कहा कि लोगों ने खबरें टीवी पर देखना कम कर दिया है। मोबाइल ने यह चुनौती खड़ी की है। मोबाइल पर कौनसा डिजिटल कंटेंट वायरल होगा, यह तय करना चुनौतीपूर्ण है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो सुधि राजीव ने कहा कि भावी पत्रकारों की यह जिम्मेदारी है कि यथास्थिति पर प्रश्न उठाएं और पूर्वाग्रह के साथ होने वाली पत्रकारिता पर सवाल खड़े करें। प्रो सुधि ने कहा कि हम पोस्ट ट्रुथ के जमाने में हैं, जहां पर सच को सामने लाना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। मीडिया साक्षरता की हमारी मुहिम का यही उद्देश्य है कि सच्ची और पारदर्शी खबरें लोगों तक पहुंचें। मीडिया जिम्मेदार बने और मीडिया का उपयोग भी जिम्मेदारी के साथ हो। वरिष्ठ पत्रकार राजेश प्रियदर्शी ने रिपोर्टिंग में फेक्ट चेकिंग का महत्व विषय पर बोलते हुए कहा कि बाजार के अपने नियम हैं और मीडिया का बिजनेस विश्वसनीयता पर टिका है।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

जेडीसी ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक

ब्यूरो चीफ रविसिंह / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में जेडीए के मंथन सभागार में जेडीए के समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में पिंक लेटर्स, डीटीएस, राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री महोदय जनसुनवाई मॉनिटरिंग सिस्टम, लोकायुक्त मानव अधिकार आयोग, विधानसभा प्रश्नों के लम्बित प्रकरणो को गुणात्मक एवं संतोषप्रद रूप से निस्तारित करने के निर्देश दिये। लाईट्स कोर्ट कैसेज के संबंध में विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट तथा एफआर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। संयुक्त निदेशक विधि को एफआर की निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिये। बैठक में संबंधित ओआईसी को विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित महत्वपूर्ण प्रकरणों में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त एक ही प्रकृति के प्रकरणों को क्लब कर अधिवक्ता नियुक्त करने एवं जिन प्रकरणों में परिवादी से प्रकरण में समझौता किया जा सकता है इस हेतु प्रयास करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही जेडीए के जोन कार्यालयों द्वारा निरंतर ई-फाईल हेतु स्केनिंग का कार्य करवाया जा रहा है, जिसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही मांग पत्र /डिमाण्ड लेटर जारी किये जाने हेतु जोनों में पदस्थापित लेखाकार की सहायता हेतु ऑटोमेटिक केलकुलेटर सिस्टम विकसित किया गया है, जिससे योजना एवं भूसं दर्ज करने पर स्वतः ही राशि की गणना की जा रही है। बैठक में विभिन्न प्रकरणों में भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की प्रगति की जानकारी दी गई एवं शीघ्र प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये। उपायुक्त जोनों द्वारा अतिक्रमण से संबंधित प्रोफार्मा रिपोर्ट प्रवर्तन शाखा को तत्काल भिजवाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही सीमा ज्ञान जोन तहसीलदार एवं पटवारी द्वारा ईटीएस मशीन की सहायता से करवाया जाने के निर्देश दिये। बैठक में राजस्व अर्जन हेतु विभिन्न जोनों में व्यावसायिक, संस्थागत एवं ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों की लीज बकायादारों की सूची तैयार कर संबंधित को नोटिस जारी किये जाये। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग/ समीक्षा की जाये। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा 24 फरवरी 2025 को जारी आदेशानुसार एक मुश्त लीज राशि जमा करवाये जाने पर ब्याज में शत-प्रतिशत की छूट दी जा रही है। उक्त के अनुसार ब्याज राशि की कटौती पश्चात् लीज राशि जमा करवाये जाने हेतु नोटिस जारी किया जाने के निर्देश दिये। बैठक में राईजिंग राजस्थान के तहत जेडीए द्वारा विभिन्न विकासकर्ताओं से किए गए एमओयूओ की प्रगति रिपोर्ट सरकार को प्राथमिकता से भिजवाये जाने के निर्देश दिये एवं लंबित प्रकरणों में त्वरित एवं तत्काल कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में नागरिक सेवा केन्द्र के माध्यम से जविप्रा के ऑनलाईन पोर्टल पर नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं यथा लीजहोल्ड नाम हस्तान्तरण लीज मुक्ति प्रमाण पत्र तथा उपविभाजन/पुनर्गठन के प्रकरणों का निस्तारण समय-सीमा में करने पर संतोष व्यक्त किया एवं आगे भी इसी तरह से निस्तारण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही 90 ए के प्रकरणों में आवेदन के समय प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर ही जेडएलसी की प्लानिंग/कार्यवाही संपादित की जावें, जिससे भूमि की 90ए हो जोन पर प्रकरण जेडएलसी किया जाकर बीपीसी एलपी की बैठक में अनुमोदन हेतु भिजवाया जा सकें जिससे समय की बचत एवं प्रकरण तय समयावधि में निस्तारित हो सकेगा।

कोटा के बारां में जार के जिला पत्रकार अधिवेशन में सम्मानित हुए 27 वरिष्ठ पत्रकार

राजेन्द्र कुमार / परिष्कार पत्रिका

बारां। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जार का जिला अधिवेशन रविवार को कोटा रोड स्थित सौभाग्यश्री रिसोर्ट में आयोजित हुआ। इसमें जिले के 27 वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया। इस आठवें अधिवेशन में वक्ताओं ने मुख्य रूप से बदलते पत्रकारिता के स्वरूप, सोशल मीडिया की चुनौतियों के बीच तथ्यपरक व सच्ची खबरों का महत्व, जोखिम के बावजूद पाठकों के सामने सच्चाई रखना, संस्थानों द्वारा अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने जैसे मुद्दों पर खुलकर विचार रखे। जार के प्रदेशाध्यक्ष हरिबल्लभ मेघवाल ने कहा कि संगठन चलाने में कई चुनौतियां आती है। लेकिन पत्रकार साथियों के सहयोग से सब हल हो जाती है।

सर्वसमाज ने देवस्थान विभाग मंत्री को 12 अप्रेल का हनुमान जन्मोत्सव का दिया निमंत्रण

ब्यूरो चीफ / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। उग्रिया वास स्थित श्रीबंधे बालाजी धाम में सर्वसमाज के तत्वावधान में आयोजित 12 अप्रेल को श्रीहनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए निमंत्रण राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत को दिया गया। अमरनाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में गोवर्ती विशाल भण्डारा किया जा रहा है। गौमाता के लिये लापसी भण्डारा, 56भोग की झाँकी श्रीहनुमान चालीसा सामूहिक पाठ, दीपौत्सव, महाआरती, भव्य आतिशबाज़ी होगी। इस अवसर पर भजनसंध्या का भव्य आयोजन प्रसिद्ध कथावाचक चंद्रप्रकाश शास्त्री द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर सुनील जैन सिंह, महेंद्र बाड़ीवाल, कैलाश कुमावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

LEARNING STEP SCHOOL®
Fundamentals Make Career...
PLAY GROUP TO XII
SCIENCE/COMMERCE/ ARTS / AGRICULTURE
NO.1 RANKED SCHOOL IN JAIPUR
ADMISSION OPEN 2025-26
Enroll Now

- Learning Through Workshops & Activities.
- Fully Air Cooled Rooms.
- Digital Classes.
- Qualified Trained Teachers.
- Developing The Sense of Independence.
- Equipping Our Students to Succeed In Life.
- Personalized Attention.

MAIN BRANCH: 44, 51, 51-A, Vishnu Colony, Sodala Ajmer Road, Jaipur
ABOUT US: We are popular and Top Rated 'A Grade' School in Jaipur
CALL NOW: 9261999950
BRANCH - 1 P. No. 32, Satyendra Colony, Sodala, Jaipur Mob.: 9251999950
BRANCH - 1 222, Gomes Defence Colony, Vaishali Nagar, Jaipur Mob: 9358404005
BRANCH - 1 145-R, Narayan Vihar, Behind Kotecha Building, Ajmer Road, Jaipur Mob: 9358404008
BRANCH - 1 Gopalpura Mob: +91 92577 83315- Coming Soon
BRANCH - 1 Banipark Mob: +91 92577 83315. Coming Soon
Follow us on:
Email: learningstepschool@gmail.com | Visit us: www.learningstepschool.com

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया भव्य आयोजन

अजमेर में हिन्द सेवा दल ने किया 51 प्रतिभाशाली महिलाओं का रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मान

हेमलता किरार रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

ब्यूरो चीफ / परिष्कार पत्रिका

अजमेर। हिन्द सेवा दल एवं लक्ष्य मानवता सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सूचना केन्द्र सभागार में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालीं 51 प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। प्रवक्ता राजेंद्र गांधी ने बताया कि अब तक संस्था के पास अजमेर, जयपुर, जोधपुर, भीलवाडा से तीन सौ से अधिक महिलाओं के आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें से चयन कर 51 महिलाओं को महारानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दल के अध्यक्ष आर के महावर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजमेर दक्षिण क्षेत्र की विधायक अनिता भदेल, राजस्थान देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विशिष्ट अतिथि कला चौहान, मीना शर्मा थी। इस अवसर परिष्कार पत्रिका की प्रधान संपादक हेमलता किरार को पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक कार्यों और खास तौर पर महिला शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए महारानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अनिता भदेल विद्याय ने किरार का मोतियों की माला पहनाकर और उपर्णा ओढ़कर प्रशस्तिपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओ ने भाग लिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उभरती प्रतिभाओं ने अपनी शैली से दर्शकों का मन मोह लिया। मंच संचालन तरुणा जांगिड़ एवं नीलम सचदेवा ने किया। इस अवसर पर आर के महावर, सोमर आर्य, राजेंद्र गांधी, विजय काकाणी, महेश बिहारी माथुर, निक्की जैन, अमित सिंह टांक, रूपा बहन, दक्ष महावर, गुंजन सिरावले राजलक्ष्मी करारिया गीता देवी टाक अरुणा कवर टांक, अमर सिंह निर्वाण, पुष्कर नारायण परमार, रविसिंह किरार सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में हेमलता किरार और रविसिंह किरार ने परिष्कार पत्रिका परिवार की तरफ से हिन्द सेवा दल के अध्यक्ष आरके महावर का शॉल एवं उपर्णा ओढ़ाकर आभार प्रकट किया।

रफीक खान ने किया Alternate Current पुस्तक का विमोचन......

पृष्ठ 1 कॉलम 8 का शेष

विशिष्ट अतिथि मंजू शर्मा पूर्व पार्षद, हेमलता किरार प्रधान संपादक परिष्कार पत्रिका और यशवर्धनी चौहान फाउंडर कलर्स ऑफ होप सहित विभिन्न विद्यालयों की प्रिंसिपल और संस्थाओं की फाउंडर मेंम्बर्स ने इस पुस्तक का विमोचन किया।

फाउंडर यशवर्धनी चौहान ने बताया कि गौतमदित्य सिंह कविताएँ लिखने और एक रूपक तरीके से जीवन का वर्णन करने के लिए एक स्वभाव था। उन्होंने मानव मनोविज्ञान, अस्तित्व के दर्शन, प्राकृतिक वातावरण पक्षियों, पेड़ आदि के विषयों का उपयोग किया है, परिवर्तन, वर्तमान में अनिश्चितता, सभी मनुष्यों में अच्छाई, सोच के गैर-न्यायिक तरीके, भेद्यता और स्वतंत्रता। उनकी पुस्तक अमेज़न किंडल, गूगल प्ले और ब्लू रोज पब्लिशर्स पर उपलब्ध है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने स्कूल फ्लेक्स स्कूल के लिए उन्हें सम्मान और याद करने के लिए उन्हें अपने नाम पर एक छात्रवृत्ति की घोषणा की गई है, जो हर साल 3 छात्रों को दिए जाने वाले 1000 डॉलर के लिए गौतम सिंह ब्राइट स्टार्स स्कॉलरशिप में एक छात्रवृत्ति की घोषणा की है, जो समझने के लिए एक गहरी प्रतिबद्धता और कला, रचनात्मकता, दर्शन, प्रकृति और संबंध के माध्यम से दुनिया की सुंदरता की खोज के लिए एक जुनून, असीम जिज्ञासा के गुणों का अनुकरण करते हैं।

आवश्यकता विशेष शिक्षक हिन्दी और गणित की
आशा के रंग संस्था (विशेष शिक्षा आवश्यकता केन्द्र)
आवश्यकता है विशेष शिक्षकों की जो बच्चों को पढ़ा सके।
योग्य शिक्षकों को उचित वेतन एवं अन्य सुविधाएं
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडेटा आवेदन करें :-
colourofhope2019@gmail.com
+91-7850981344

रजि. न. 403 ।। जय श्री लक्ष्मीनारायण जी महाराज ।। स्थापित - 1996-1997
पाराशर चिल्ड्रन पैराडाइज पब्लिक सी. सै. स्कूल
प्रवेश प्रारम्भ
विशेषताएं : श्रेष्ठ माहौल, प्रशिक्षित अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा अध्यापन, साप्ताहिक टेस्ट, कमजोर छात्र-छात्राओं हेतु विशेष कक्षाएं, उचित वाहन सुविधा एवं खेल-कूद, साप्ताहिक बाल सभा, कम्प्यूटर शिक्षा प्राथमिक कक्षाओं से, समय समय पर अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी।

रामलाल पाराशर, निदेशक
17, पार्क व्यू कॉलोनी, एनबीसी स्टाफ क्वाटर्स के पीछे, खातीपुरा रोड़, जयपुर -6 राजस्थान
Mob. No. 9351451481, 7726857268

श्री कन्या सदाचार उ. मा. विद्यालय
आकड़ मार्ग, बनीपार्क जयपुर फोन नं. 2202026
[अग्रेंजी व हिन्दी माध्यम सहशैक्षणिक संस्था]
कला एवं वाणिज्य [कॉमर्स] संकाय
SADACHAR PUBLIC SCHOOL
(An English Medium Co-educational institute)
Ph. 3141519, 2202026
English Medium
Play Group to VIIIth
Conveyance Facility (Auto)
Based on N.C.R.T. Pattern
सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ऊषा शर्मा
प्रिंसिपल
श्री कन्या सदाचार उच्च मा विद्यालय

प्रवेश प्रारम्भ
सभी पाठकों एवं विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं
जगजीवन राम सेवा समिति द्वारा संचालित एवं संस्थापक स्व. नाथूलाल वर्मा द्वारा स्थापित

डॉ. अम्बेडकर सी. सै. विद्यालय
रजि. 99/78-79
कला एवं वाणिज्य वर्ग
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा,
- कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए विशेष कक्षाओं की सुविधा
- बैठने की उचित व्यवस्था
- कक्षा 6-12 तक के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम फीस में अनुभवी अध्यापकों द्वारा अध्यापन की व्यवस्था
- बालकों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान
- जो भी विद्यार्थी 10वीं एवं 12वीं में प्रवेश लेना चाहता है वे न्यूनतम फीस में तुरन्त आवेदन कर सकता है, धानका समाज के विद्यार्थियों के लिए विशेष रियायत

रवि शंकर वर्मा, प्राचार्य
11 फतेह टीबा, आदर्शनगर, जयपुर। फोन नं. 9460124510
Dr. Ambedkar Kids Play School
(An English Medium PG to IInd Class)
Admission Open
Conveyance Facility (Auto)
11, Fateha Tiba, Adarsh, Nagar, Jaipur - 302004

भारतीय नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

अमर सिंह निर्वाण एवं प्रमिला देवी
रिटायर्ड, रेलवे विभाग, 63/34 पाल बीछला, दयाल बीड़ी के पीछे, अजमेर

हार्दिक शुभकामनाएं

माईकल कैथलीनो-ग्लोरिया कैथलीनो
संस्थापक-केस्टलीनो आई फाउंडेशन
ग्राउंड फ्लोर धुलेश्वर गार्डन, जयपुर

हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती एवं श्री पुष्करनारायण परमार पुत्र श्री लक्ष्मीचंद परमार भैरव नगर, श्रीनगर रोड, वर्धमानधर्मकांटे के पीछे, गली नं. 2, अजमेर

Estd. 2001
Reg. No. 259/2001
JAI MAA SARASWATI VIDHYA PEETH SR. SEC. SCHOOL

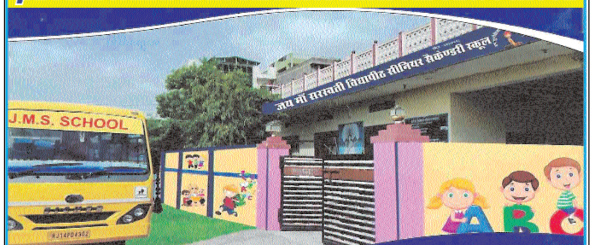

54, Raval Ji Ka Bandha, Khatipura Road, Behind N.B.C. Staff Quaters, Jaipur, Rajasthan 302006
Nur. TO XII English & Hindi Medium (Arts & Com.)
Admission Open
Our Goals & Ambitions for 2025 to upcoming years
1. In the session, we have started a special program for students and their parents in our school.
2. Compulsory Medical insurance for all students.
3. Book Bank has been started so that parents can be saved from the financial burden of buying books in the coming session.
4. To increase the student's moral values, we have decided to go to "OLD AGE HOME" with students and their parents

OUR FACILITIES
1. Live Camera on the Class-room
2. Computer Lab. & Library
3. Sports (Indoor/ Outdoor) Facilities
4. Transport Facilities
5. Free education for those children who don't have parents.
6. 50% Discount in tuition fees for Players and Child of soldiers.
7. Our YouTube channel http://www.Youtube.com/@JMSSCHOOL

Contact Persons
Principal- Vijaylaxmi Saini 9251467543
Director- Sanjay Sir/Devendra 9251467543
In charge –Roop Singh 9079171827
Sr. Female-coordinator- Meena Bist 9351251572
Female-coordinator- ReenaRobert 8949373069
Coordinator- Javed Ali 9602503453
Technical Head- Deependra Khowal 9829865737

Our Achievements
1. Till now we have given free education to about 2100 studens
2. 63rd state level Badminton champion in 2018-2019.
3. 64th District level Badminton champion in 2019-2020.
4. Two time Participated in national level Badminton Competition from 2018-2020.
5. First prize in Nutrition Best Practice Organized by Nestle(Magic Bus)
6. Participation in Career Counseling Program Organized by ICAI
7. 3rd Prize winner in 59th wildlife week Road safety advocacy program Organized by Govt. of Rajasthan.

DON'T WAIT FOR THE PERFECT MOMENT, TAKE THE MOMENT AND MAKE IT PERFECT.

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.com, www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार